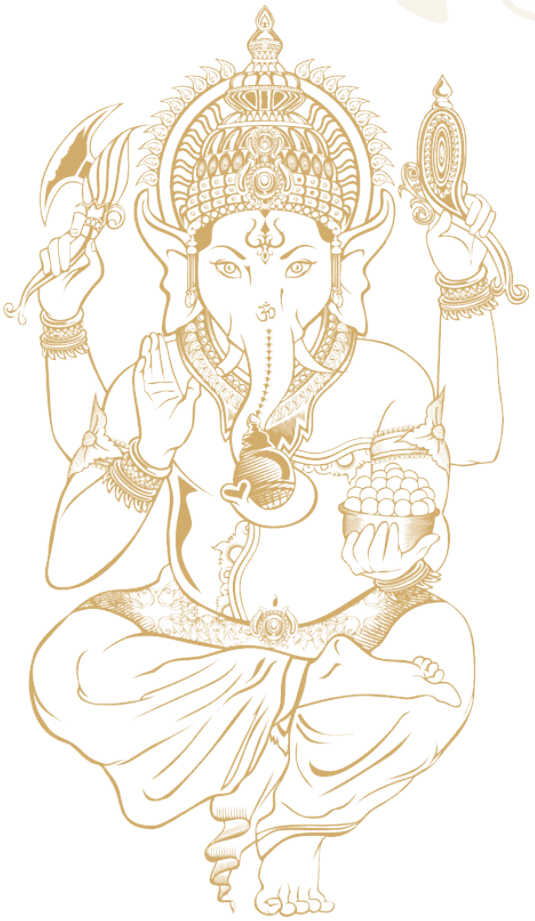

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
12/02/2026	जन्म तिथि	12/02/2026
गुरुवार	दिन	गुरुवार
घंटे 21:37:00	जन्म समय	21:37:00 घंटे
घटी 36:26:46	जन्म समय(घटी)	36:26:46 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:02:17	सूर्योदय	07:02:17
18:08:47	सूर्यास्त	18:08:47
24:13:26	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:26

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 4वर्ष 11मा 1दि	16:04:01	कन्या	लग्न	कन्या	16:04:01	केतु 4वर्ष 11मा 1दि
केतु	29:43:30	मक	सूर्य	मक	29:43:30	केतु
12/02/2026	03:57:37	धनु	चंद्र	धनु	03:57:37	12/02/2026
15/01/2031	21:39:41	मक	मंगल	मक	21:39:41	15/01/2031
00/00/0000	15:28:21	कुंभ	बुध	कुंभ	15:28:21	00/00/0000
00/00/0000	21:59:31	मिथु व	गुरु व	मिथु	21:59:31	00/00/0000
12/02/2026	08:35:04	कुंभ	शुक्र	कुंभ	08:35:04	12/02/2026
चन्द्र 19/07/2026	05:37:47	मीन	शनि	मीन	05:37:47	चन्द्र 19/07/2026
मंगल 15/12/2026	15:41:16	कुंभ व	राहु व	कुंभ	15:41:16	मंगल 15/12/2026
राहु 03/01/2028	15:41:16	सिंह व	केतु व	सिंह	15:41:16	राहु 03/01/2028
गुरु 09/12/2028	03:16:07	वृष	हर्ष	वृष	03:16:07	गुरु 09/12/2028
शनि 18/01/2030	06:15:49	मीन	नेप	मीन	06:15:49	शनि 18/01/2030
बुध 15/01/2031	09:50:14	मक	प्लूटो	मक	09:50:14	बुध 15/01/2031

लग्न-चलित

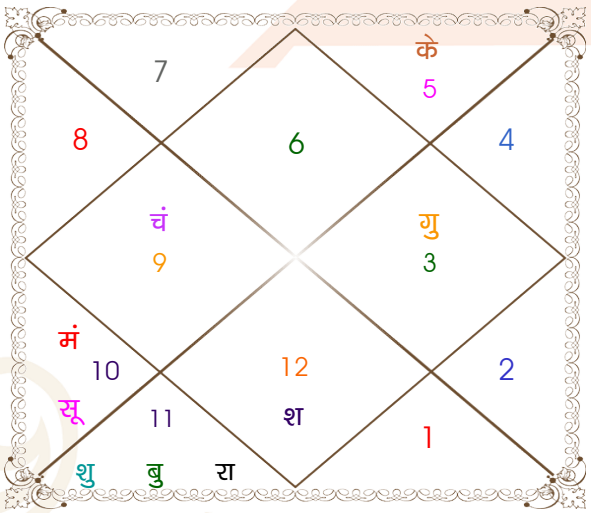

लग्न-चलित

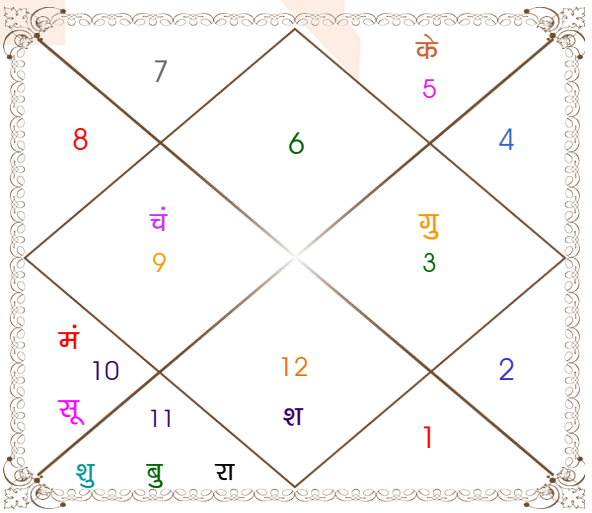

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	श्वान	श्वान	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के एक ही नक्षत्र एवं एक ही चरण है।

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है एवं चन्द्र से भी मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल चन्द्र कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है एवं चन्द्र से भी मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल चन्द्र कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।